INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

HINDI MEDIUM

बिहार पुलिस

बिहार पुलिस

बिहार पुलिस

बिहार पुलिस कांस्टेबल

CENTRAL SELECTION BOARD OF CONSTABLE

HANDWRITTEN NOTES

भाग-1 हिंदी + अंग्रेजी

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

बिहार पुलिस कांस्टेबल

CENTRAL SELECTION BOARD OF CONSTABLE

भाग – 1

हिन्दी + अंग्रेजी

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**बिहार पुलिस कांस्टेबल**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती)–सेंट्रल सिलेक्शन बोर्ड ऑफ़ कांस्टेबल (CSBC)"** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**बिहार पुलिस कांस्टेबल**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें* **/**

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/iny7y2

Online Order करें - https://bit.ly/bihar-police-notes

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

हिंदी		
क्र.सं.	अध्याय	पेज नं.
1.	हिंदी वर्णमाला	1
2.	शब्द प्रकार	4
3.	सन्धि और सन्धि विच्छेद	13
4.	प्रत्यय एवं उपसर्ग	20
5.	सामासिक पदों की रचना और समास - विग्रह	27
6.	संज्ञा	45
7.	लिंग	50
8.	काल	53
9.	अव्यय (अविकारी शब्द)	55

10.	पर्यायवाची शब्द	60
11.	विलोम शब्द	66
12.	अनेकार्थक शब्द	76
13.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	78
14.	शब्द - शुद्धि	88
15.	शब्द-युग्म (समरूपी भिन्नार्थक शब्द)	93
16.	वाक्य रचना एवं वाक्यों के प्रकार तथा पदबंध	106
17.	वाक्य - शुद्धि	112
18.	वाक्यांशों के स्थान पर एक शब्द	118
19.	वचन	127
20.	हिन्दी भाषा की रचनाएँ एवं रचनाकार	130

Sr. No.	Chapter	Page
1.	SPOTTING ERRORS • ARTICLE • Noun • PRONOUN • ADJECTIVE • THE VERB • Modal Verbs • ADVERB • PREPOSITION • CONJUNCTION	133
2.	Time and Tense	206
3.	Kind of sentence	219
4.	Subject and verb agreement	221
5.	Spotting error exercise	225
6.	Active and Passive Voice	228
7.	Direct and Indirect Narration	238

8.	Sentence correction / Improvement of Sentences	247
9.	Synonyms, Antonyms	252
10.	Spelling rules	274
11.	One word substitution	278
12.	Fillers / Fill in the blanks	293
13.	Reading comprehension	297

हिंदी

अध्याय – 1

(हिंदी वर्णमाला)

भाषा के दो रूप होते हैं-

1. **मौखिक या उच्चारित भाषा-** मौखिक भाषा की सूक्ष्मतम इकाई ध्वनि होती है। वास्तव में ध्वनि का संबंध सुनने व बोलने से है। यह भाषा उच्चारण पर आधारित होती है। उच्चारण करने के लिए मानव के जो मुख्य-अवयव काम करते हैं वह उच्चारण अवयव कहलाते हैं।

2. **लिखित भाषा-** लिखित भाषा की सूक्ष्मतम इकाई वर्ण होती है। वर्ण का संबंध लिखने व देखने से है। वर्ण ध्वनि रूपी आत्मा का शरीर है।
लिखित रूप से भाषा की वह छोटी से छोटी इकाई जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हो वर्ण कहलाते हैं।
जैसे एक शब्द है - नीला।
नीला शब्द के यदि टुकड़े किए जाए तो वे होंगे-
नी + ला
अब यदि नी और ला के भी टुकड़े किए जाए तो वे होंगे- न् + ई तथा ल् + आ।
अब यदि न ई, ल् आ के भी हम टुकडे करना चाहे तो यह संभव नहीं है। अतः ये वर्ण कहलाते हैं।
ये वर्ण दो ही प्रकार के होते हैं- स्वर तथा व्यंजन
वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं, शब्दों के मेल से वाक्य तथा वाक्यों के मेल से भाषा बनती है। अतः वर्ण ही भाषा का मूल आधार है।
हिंदी में वर्णों की संख्या 44 है।
वर्णों को दो भागों में बांटा जाता है

1. **स्वर** 2. **व्यंजन**

1. **स्वर** - स्वतंत्र रूप से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ स्वर कहलाती है, अर्थात वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता नहीं होती स्वर कहलाते हैं।
स्वरों की संख्या 11 - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
मात्राओं की संख्या 10 - क्योंकि 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती।
2. **व्यंजन** - वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण के सहयोग की आवश्यकता होती है, अर्थात स्वरों के सहयोग से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ व्यंजन कहलाती है।
व्यंजनों की संख्या 33 होती है।

विशेष
1. हिंदी निदेशालय 1966 के अनुसार कुल वर्णों की संख्या 52 मानी गई है।
2. हिंदी की मानक लिपि 'देवनागरी' के अनुसार कुल वर्णों की संख्या 52 मानी गई है।
स्वरों का वर्गीकरण पाँच भागों में बांटा जाता है।

1. उच्चारण अवधि के आधार पर-

1. लघु स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में कम समय लगता है, अर्थात् एक मात्रा का समय लगता है, लघु स्वर कहलाते हैं।
   जैसे- अ, इ, उ, ऋ
   इन्हें मूल स्वर और ह्रस्व स्वर भी कहते हैं।

2. दीर्घ स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में लघु स्वरों की तुलना में दोगुना समय लगता है अर्थात दो मात्रा का समय लगता है, दीर्घ स्वर कहलाते हैं।
   जैसे- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
   इन्हें सन्धि स्वर भी कहते हैं।

2. ओष्ठाकृति के आधार पर -

1. वृत्ताकार स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में होठों की आकृति वृत्त के समान गोल हो जाती है, वृत्ताकार स्वर कहलाते हैं।
   जैसे- उ, ऊ, ओ, औ

2. अवृत्ताकार स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में होठों की आकृति वृत के समान गोल न होकर फैले रहते हैं। अवृत्ताकार स्वर कहलाते हैं।
   जैसे- अ, आ, इ, ई, ऋ, ए, ऐ

3. जिह्वा की क्रियाशीलता के आधार पर:-

1. अग्र स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में जिह्वा का अगला भाग क्रियाशीलता रहता है, अग्र स्वर कहलाते हैं।
   जैसे- इ, ई, ऋ, ए, ऐ

2. मध्य स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में जिह्वा का मध्य भाग क्रियाशील रहता है, मध्य स्वर कहलाते हैं ।
   जैसे- 'अ'

3. पश्च स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में जिह्वा का पिछला (पश्च) भाग क्रियाशील रहता है, पश्च स्वर कहलाते हैं ।

जैसे- आ, उ, ऊ, ओ, औ

4. मुखाकृति के आधार पर -

1. संवृत स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में मुख वृत्त के समान बंद-सा रहता है, अर्थात् सबसे कम खुलता है, संवृत स्वर कहलाते हैं।

जैसे- इ, ई, उ, ऊ, ऋ

2. अर्द्ध संवृत स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में मुख संवृत स्वरों की तुलना में आधा बंद-सा रहता है, अर्द्ध संवृत स्वर कहलाते हैं।

जैसे- ए, ओ

3. विवृत्त स्वर- विवृत का अर्थ होता है 'खुला हुआ', वे स्वर जिनके उच्चारण में मुख्य पूरा खुला रहता है अर्थात सबसे ज्यादा खुला रहता है विवृत स्वर कहलाते हैं ।

जैसे- 'आ'

4. अर्द्ध विवृत्त - वे स्वर जिनके उच्चारण में मुख विवृत स्वरों की तुलना में आधा और अर्द्ध-संवृत स्वरों की तुलना में ज्यादा खुला-सा रहता है, अर्द्ध विवृत स्वर कहलाते हैं।

जैसे- अ, ऐ, औ

5. नासिका के आधार पर-

1. निरनुनासिका स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में नासिका का प्रयोग नहीं किया जाता अर्थात् सिर्फ मुख से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ, निरनुनासिक कहलाती है।

जैसे- सभी स्वर

2. अनुनासिक स्वर- वे स्वर जिनके उच्चारण में नासिक का प्रयोग किया जाता है, अर्थात मुख के साथ-साथ नासिक से भी उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ अनुनासिक। सानुनासिक कहलाती हैं।

जैसे- अँ, आँ, इँ, ईं, उँ, ऊँ, ऋँ, एँ, ऐं, ओं, औं

व्यंजनों का वर्गीकरण

1. उच्चारण प्रयत्न के आधार पर-

ध्वनियों के उच्चारण में होने वाले यत्न को 'प्रयत्न' कहा जाता है। यह प्रयत्न तीन प्रकार से होते हैं-

1. स्वरतंत्री में कंपन्न- स्वरतंत्रियो में होने वाली कंपन्न, नांद या गूंज के आधार पर व्यंजनों के दो भेद किए जाते हैं - सघोष और अघोष

अघोष वर्ण- जिन ध्वनियों के उच्चारण में भारीपन नहीं रहता है वे अघोष ध्वनियाँ कहलाती है।
वर्गीय व्यंजनों के पहले व दूसरे व्यंजन अघोष होते हैं। (क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ तथा ष, श, स)।

सघोष वर्ण- जिन ध्वनियों के उच्चारण में भारीपन रहता है वे सघोष ध्वनियां कहलाती है।
वर्गीय व्यंजनों का तीसरा, चौथा और पाँचवां व्यंजन 'सघोष होता है।
(ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, म) अन्तः स्थ (य, र, ल, व) तथा ह । सभी स्वर भी घोष वर्ण होते हैं।

2. श्वास वायु की मात्रा- उच्चारण में वायु प्रक्षेप या श्वास वायु की मात्रा की दृष्टि से व्यंजनों के दो भेद है-

1. अल्पप्राण **2. महाप्राण**

1. अल्पप्राण- जिनके उच्चारण में श्वास मुख से अल्प मात्रा में निकले और जिनमें 'हकार' जैसी ध्वनि नहीं होती, उन्हें अल्पप्राण ध्वनियाँ कहलाती है। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा और पाँचवा वर्ण अल्पप्राण व्यंजन है।

जैसे- क, ग, ङ, च, ज, ञ, ट, ड, ण, त, द, न, प, ब, म।
अन्तस्थ (य, र, ल, व) तथा सभी स्वर भी अल्पप्राण ही है।

2. महाप्राण- महाप्राण व्यंजनों के उच्चारण में 'हकार' जैसी ध्वनि विशेष रूप से रहती है और श्वास अधिक मात्रा में निकलती है। प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण तथा समस्त ऊष्म वर्ण महाप्राण होते हैं।

जैसे- ख, घ, छ, झ, ठ, ढ़, थ, ध, फ, भ और ष, श, स, ह।

3. मुख अवयवों द्वारा श्वास को रोकने के रूप में-

ध्वनियों का उच्चारण करते समय हमारी जीव या अन्य मुख्य अवयव अनेक प्रकार से प्रयत्न करते हैं इस आधार पर व्यंजनों को निम्नलिखित विभाजन किया जाता है।
स्पर्शी व्यंजन- ये कंठ, तालु, मूर्धा, दंत और ओष्ठ स्थानों के स्पर्श से बोले जाते हैं इसलिए इन्हें स्पर्शी व्यंजन कहते हैं।

(6) नि – अभाव, विशेष, निषेध
(7) बिन – निषेध , अभाव
(8) भर – ठीक, पूरा
(9) कु (क)- बुरा , हीन
(10) सु (स)- श्रेष्ठ , साथ, सुन्दर

उर्दू उपसर्ग –(19)

(1) अल (अरबी), निश्चित
(2) ऐन – ठीक , पूरा
(3) कम – थोडा , हिन
(4) खुश – अच्छा ,शुभ
(5) गैर – भिन्न , विरुद्ध ,
(6) दर – में
(7) ना – अभाव, कम
(8) फ़िल – में, फी (अरबी) में प्रति
(9) ब – अनुसार , में, से ओर
(10) बद – बुरा , अशुभ
(11) बर – ऊपर , पर
(12) बा – साथ ,अनुसार
(13) बिल (अरबी)- साथ, से , में
(14) बिला (अरबी)- बिना
(15) बे – बिना, अभाव
(16) ला (अरबी) – बिना , निषेध , अभाव
(17) सर – मुख्य ,श्रेष्ठ
(18) हम (संस्कृत संम से) – साथ समान
(19) हर – प्रत्येक

नोट – उर्दू के सारे उपसर्ग अरबी – फारसी से लिए गए हैं ये संख्या में लगभग (19) है ।

अध्याय – 5

सामासिक पदों की रचना और समास - विग्रह

⇒ **समास का शाब्दिक अर्थ** - जोड़ना या मिलाना। अर्थात समास प्रक्रिया में दो या दो से अधिक शब्दों को आपस में मिलाकर एक शब्द बनाया जाता है!

⇒ दो अथवा दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए नए सार्थक शब्द को समास कहते है।

⇒ **समस्त पद (सामासिक पद)**-समास के नियमों का पालन करते हुए जो शब्द बनता है उसे समास पद या सामासिक,पद कहते हैं।

⇒ समस्त पद के सभी पदों को अलग अलग किए जाने की प्रक्रिया को समास विग्रह कहलाती है।

⇒ समास वह शब्द रचना है जिसमें अर्थ की दृष्टि से परस्पर स्वतंत्र सम्बन्ध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्द मिलकर किसी अन्य स्वतंत्र शब्द की रचना करते है।

सामासिक शब्द में आए दो पदों में पहले पद को पूर्वपद तथा दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं। ।

जैसे:-

गंगाजल	गंगाजल		- गंगा का जल
गंगा	जल	गंगा जल	
(पूर्वपद)	(उत्तरपद)	(समस्त पद)	(समास विग्रह)

कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ को प्रस्तुत कर देना ही समास का प्रमुख उद्देश्य होता है।

समास 6 प्रकार के होते हैं

समास के प्रकार Types Of Compound

1. तत्पुरुष समास
2. कर्मधारय समास
3. अव्ययीभाव समास
4. द्विगु समास
5. बहुव्रीहि समास
6. द्वंद्व समास

1. कर्म तत्पुरुष (द्वितीय तत्पुरुष) (को)
2. करण तत्पुरुष (तृतीय तत्पुरुष) (से, के द्वारा)
3. संप्रदान तत्पुरुष (चतुर्थी तत्पुरुष) (के लिए)
4. अपादान तत्पुरुष (पंचमी तत्पुरुष) से (अलग होने के अर्थ से)
5. सम्बन्ध तत्पुरुष (षष्ठी तत्पुरुष) (का, की, के)
6. अधिकरण तत्पुरुष (सप्तमी तत्पुरुष) (मे, पर)

पद की प्रधानता के आधार पर समास का वर्गीकरण

(क) पूर्वपद प्रधान –अव्ययीभाव

(ख) उत्तर पद प्रधान - तत्पुरुष, कर्मधारय और दिगु

(ग) दोनों पद प्रधान-द्वन्द्व

(घ) दोनों पद अप्रधान - बहुव्रीहि (इसमें कोई तीसरा अर्थ प्रधान होता है)

नोटः

भारतीय भाषा में कुछ ऐसे शब्द हैं जिनके रुप में लिंग, वचन के अनुसार परिवर्तन या विकार उत्पन्न नहीं होता है, उन्हें अव्यय शब्द या अविकारी शब्द कहते हैं।

अर्थात ऐसे शब्द जिनका व्यय ना हो, उन्हे अव्यय शब्द कहते हैं।

जैसे – यथा, तथा, यदा, कदा, आ, प्रति , जब, तब, भर, यावत , हर आदि।

(1) अव्ययीभाव समास Adverbial Compound

जिस समास में पहला पद अर्थात पूर्वपद प्रधान तथा अव्यय होता है, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

पहचान- सामासिक पद (समस्त पद) मे यथा, आ, अनु, प्रति, भर, तथा, यदा, कदा, जब, तब, यावत, हर आदि शब्द आते हैं।

समस्त पद	-	विग्रह
आजन्म	-	जन्म से लेकर
आमरण	-	मरने तक
आसेतु	-	सेतु तक
आजीवन	-	जीवन भर
अनपढ	-	बिना पढा
आसमुद्र	-	समुद्र तक
अनुरुप	-	रुपके योग्य
अपादमस्तक	-	पाद से मस्तक तक
यथासंभव	-	जैसा सम्भव हो/जितना सम्भव हो सके
यथोचित	-	उचित रुप मे/जो उचित हो

यथा विधि	-	विधि के अनुसार
यथामति	-	मति के अनुसार
यथाशक्ति	-	शक्ति के अनुसार
यथानियम	-	नियम के अनुसार
यथाशीघ्र	-	जितना शीघ्र हो
यथासमय	-	समय के अनुसार
यथासामर्थ	-	सामर्थ के अनुसार
यथाक्रम	-	क्रम के अनुसार
प्रतिकूल	-	इच्छा के विरुद्ध
प्रतिमाह	-	प्रत्येक -माह
प्रति दिन	-	प्रत्येक - दिन
भरपेट	-	पेट भर के
हाथों हाथ	-	हाथ ही हाथ में/
		(एक हाथ से दूसरे हाथ)
परम्परागत	-	परम्परा के अनुसार
थल - थल	-	प्रत्येक स्थान पर
बोटी – बोटी	-	प्रत्येक बोटी
नभ –नभ	-	पूरे नभ में
रंग - रंग	-	प्रत्येक रंग के
मीठा – मीठा	-	बहुत मीठा
चुप्प –चुप्प	-	बिल्कुल चुपचाप
आगे- आगे	-	बिल्कुल आगे
गली – गली	-	प्रत्येक गली
दूर - दूर	-	बिल्कुल दूर
सुबह - सुबह	-	बिल्कुल सुबह
एकाएक	-	एक के बाद एक
दिनभर	-	पूरे दिन
दो – दो	-	दोनों दो।
		प्रत्येक दोनों
रोम– रोम	-	पूरे रोम मे
नए – नए	-	बिल्कुल नए
हरे - हरे	-	बिल्कुल हरे
बारी – बारी	-	एक एक करके
		/ प्रत्येक करके
बे – मारे	-	बिना मारे

जगह – जगह	-	प्रत्येक जगह
मील – भर	-	पूरे मील
गरमागरम	-	बहुत गरम
पतली-पतली	-	बहुत पतली
हफ्ता भर	-	पूरे हफ्ते
प्रति एक	-	प्रत्येक
एक - एक	-	हर एक / प्रत्येक
धीरे – धीरे	-	बहुत धीरे
अलग-अलग	-	बिल्कुल अलग
मनचाहे	-	मन के अनुसार
छोटे – छोटे	-	बहुत छोटे
भरे - पूरे	-	पूरा भरा हुआ
जानलेवा	-	जान लेने वाली
दूरबीन	-	दूर देखने वाली
सहपाठी	-	साथ पढ़ने
		वाला/वाली
खुला – खुला	-	बहुत खुला
कोना-कोना	-	सारा कोना
मात्र	-	केवल एक
भरा-भरा	-	बहुत भरा
शुरु – शुरु	-	बहुत आरंभ/शुरु में
अंग- अंग	-	प्रत्येक अंग
अहैतुक	-	बिना किसी
		कारण के
प्रतिवर्ष	-	वर्ष – वर्ष /हर वर्ष
छातीभर	-	छाती तक
बार-बार	-	बहुत बार
देखते - देखते	-	देखते ही देखते
एकदम	-	अचानक से
रात-रात	-	पूरी रात भर
सालों-साल	-	बहुत साल
रातों-रात	-	बहुत रात
ड़रा – ड़रा	-	बहुत ड़रा
तरह- तरह	-	बहुत तरह के
भरपूर	-	पूरा भर के

सालभर	-	पूरे साल
घर-घर	-	प्रत्येक घर
नए-नए	-	बिल्कुल नए
घूमता- घूमता	-	बहुत घूमता
बेशक	-	बिना शक के
अलग-अलग	-	बिल्कुल अलग
अकारण	-	बिना कारण के
घड़ी-घड़ी	-	हर घड़ी
पहले-पहले	-	सबसे पहले
भरसक	-	पूरी शक्ति से
बखूबी	-	खूबी के साथ
निः सन्देह	-	सन्देह के बिना
बेअसर	-	असर के बिना
सादर	-	आदर के साथ
बेकाम	-	बिना काम के
अनजान	-	बिना जाने
प्रत्यक्ष	-	आँख के सामने
बेफायदा	-	फायदे के बिना
बाकायदा	-	कायदे के अनुसार
बेखटके	-	बिना खटके के
निड़र	-	ड़र के बिना
यथाशीघ्र	-	जितना शीघ्र हो
प्रतिध्वनि	-	ध्वनि की ध्वनि

(2) तत्पुरुष समास Determinative compound

जिस समास मे बाद का अथवा उत्तरपद प्रधान होता है एवं पूर्व पद गौण होता है तथा दोनों पदो वे बीच का कारक- चिन्ह लुप्त हो जाता है, उसे तत्पुरुष समास कहते है। तत्पुरुष समास छः प्रकार के होते हैं, जो निम्नलिखित हैं-

[1]कर्मतत्पुरुष समास (द्वितीय तत्पुरुष):- जिस तत्पुरुष समास में कर्मकारक की विभक्ति 'को' लुप्त हो जाती है, वहाँ कर्मतत्पुरुष समास है। जैसे –

समस्त पद	-	विग्रह
गगनचुम्बी	-	गगन को चूमने वाला
यश प्राप्त	-	यश को प्राप्त
चिड़ीमार	-	चिड़ियों को मारने वाला
ग्रामगत	-	ग्राम को गया हुआ
रथचालक	-	रथ को चलाने वाला
जेबकतरा	-	जेब को काटने वाला
जनप्रिया	-	जन को प्रिय
स्वर्गीय	-	स्वर्ग को गया
वनगमन	-	वन को गमन
सर्वप्रिय	-	सब को प्रिय
गिरहकट	-	गिरह को काटने वाला
		गिरह / गांठ
अतिथ्यर्पण	-	अतिथि को अर्पण
गृहागत	-	घर को गया हुआ
मरणासन्न	-	मरण को पहुंचा हुआ
परलोकगमन	-	परलोक को गमन
स्वर्गगत	-	स्वर्ग को गत (गया हुआ)
शरणागत	-	शरण को आगत
भयप्राप्त	-	भय को प्राप्त
स्वर्ग प्राप्त	-	स्वर्ग को प्राप्त
आशातीत	-	आशा को अतीत
मनपसन्द	-	मन को पसन्द
रुपधारी	-	रूप को धारण करने वाला
वर दिखाई	-	वर को दिखाना
मर्म भेदी	-	दिल को भेदने वाला
कार्यकर्ता	-	कार्य को करने वाला
रात जगा	-	रात को जगा हुआ
कठफोड़वा	-	काठ (लकड़ी)को फोड़ने वाला
देशगत	-	देश को गत (गया हुआ)
पाकिटमार	-	पाकिट को मारने (काटने) वाला
विरोधजनक	-	विरोध को जन्म देने वाला
दिल तोड़	-	दिल को तोड़ने वाला
आपत्तिजनक	-	आपति को जन्म देने वाला
हस्तगत	-	हस्त को गया हुआ

उपन्यास सम्राट	-	उपन्यास का सम्राट
रत्नाकार	-	रत्नों का आकार
चिताभस्म	-	चिता की भस्म
आश्रमवासियों	-	आश्रम के वासियों
मानवसत्य	-	मानव का सत्य
प्राणीलोक	-	प्राणियों का लोक
करुणा भाव	-	करुणा का भाव
मैना दंपत्ति	-	मैना की दंपत्ति
शिरीष-वृक्ष	-	शिरीष का वृक्ष
कथा-दशक	-	कथा का दशक
प्राणपण	-	जान की बाजी
कलाकार	-	कला का जानकार
विनाश-लीलाओं	-	विनाश की लीलाओं
राजभवन	-	राजा का भवन
मुख्यमंत्री निवास	-	मुख्यमंत्री का निवास
गृह स्वामिनी	-	ग्रह की स्वामिनी
पुलिस चौकी	-	पुलिस की चौकी
स्वतंत्रता सैनानी	-	स्वतंत्रता के सैनानी
परिकथा	-	परियों की कथा
कन्यादान	-	कन्या का दान
धर्म-संकट	-	धर्म का संकट
अर्थशास्त्र	-	अर्थ का शास्त्र
मर्दजात	-	मर्द की जात
साहित्यचर्चा	-	साहित्य की चर्चा
स्त्री सुबोधिनी	-	स्त्री की सुबोधिनी
जन्मपत्र	-	जन्म का पत्र
माटीखाना	-	मिट्टी की खान
प्रमाणपत्र	-	प्रमाण पत्र का
पत्नीवियोग	-	पत्नी का वियोग
आज्ञानुसार	-	आज्ञा के अनुसार
कायदानुसार	-	कायदे के अनुसार
मंत्रिपरिषद्	-	मंत्रियों का परिषद्
प्रेमसागर	-	प्रेम का सागर
राजमाता	-	राजा की माता
आमचूर	-	आम का चूर्ण
रामचरित	-	राम का चरित

[VI] <u>अधिकरण तत्पुरुष समास (सप्तमी तत्पुरुष)</u> :- जिस तत्पुरुष समास में अधिकरण कारक की विभक्ति 'में', 'पर' लुप्त हो जाती है, अधिकरण तत्पुरुष समास होता है।

जैसे :-

समस्त पद	-	**विग्रह**
शोकमग्न	-	शोक में मग्न
पुरुषोत्तम	-	पुरुषों में उत्तम
आपबीती	-	आप पर बीती
गृहप्रवेश	-	गृह में प्रवेश
लोकप्रिय	-	लोक में प्रिय
धर्मवीर	-	धर्म में वीर
कलाश्रेष्ठ	-	कला में श्रेष्ठ
आनंदमग्न	-	आनंद में मग्न (मग्न = डूबा हुआ)
कर्मनिरत	-	कर्म में निरत
क्षत्रियाधम	-	क्षत्रियों में अधम
दानवीर	-	दान में वीर
नरोत्तम	-	नरों में उत्तम
वनवास	-	वन में वास
ग्रामवास	-	ग्राम में वास
स्नेहमग्न	-	स्नेह में मग्न
युद्धवीर	-	युद्ध में वीर
ध्यानमग्न	-	ध्यान में मग्न
घुड़सवार	-	घोड़े पर सवार
कुलश्रेष्ठ	-	कुल में श्रेष्ठ
शरणागत	-	शरण में आगत (आगत = आया हुआ)
कानाफूसी	-	कान में फुसफुसाहट
जलमग्न	-	जल में मग्न
कार्यकुशल	-	कार्य में कुशल
सिरदर्द	-	सिर में दर्द
दही बड़ा	-	दही में डूबा

		हुआ बड़ा
देशाटन	-	देश में अटन (भ्रमण)
नीति-निपुण	-	नीति में निपुण
हथकड़ी	-	हाथ में पहनने वाली कड़ी
घर बैठे	-	घर में बैठे
वनमानुष	-	वन में निवास करने वाले मानुष
जीवदया	-	जीवों पर दया
घृतान्न	-	घी में पका हुआ अन्न
कविपुंगल	-	कवियों में श्रेष्ठ

नोट :-

तत्पुरुष समास के उपयुक्त प्रकार के अलावा पाँच अन्य प्रकार भी होते हैं, जो नीचे दिए गए हैं।

1) नञ तत्पुरुष समास :-

जिस समास के पूर्व पद में निषेधसूचक अथवा नकारात्मक शब्द अ , अन् , न , ना , गैर आदि लगे हों, उसे नञ तत्पुरुष समास कहते हैं।

जैसे :-

समस्त पद	-	**विग्रह**
अनादर	-	न आदर
अनहोनी	-	न होनी / नहीं जो होनी चाहिए
अन्याय	-	न्याय का ना होना
अनागत	-	न आगत
अधर्म	-	धर्म हीन / नहीं जो धर्म
अनादि	-	आदि रहित
अस्थिर	-	न स्थिर
अज्ञान	-	न ज्ञान
अनिच्छा	-	न इच्छा
अपूर्ण	-	न पूर्ण
अनर्थ	-	अर्थ हीन / नहीं हो जो अर्थ के / बिना अर्थ के
अनश्वर	-	न नश्वर
नीरस	-	न रस
अब्राह्मण	-	न ब्राह्मण
अनुपस्थित	-	न उपस्थित
अज्ञात	-	न ज्ञात
असत्य	-	न सत्य
अनदेखी	-	न देखी
नास्तिक	-	न आस्तिक
अयोग्य	-	न योग्य
असुंदर	-	न सुंदर
अनाथ	-	बिना नाथ के
असंभव	-	न संभव / नहीं हो जो संभव
अनावश्यक	-	न आवश्यक / नहीं हो जो आवश्यक
ना पसंद	-	न पसंद
नावाजिब	-	न वाजिब

[3] कर्मधारय समास (Appositional Compound):-

जिस समास पद का उत्तर पद प्रधान हो तथा पूर्व पद तथा उत्तर पद में उपमान-उपमेय अथवा विशेषण-विशेष्यसंबंध हो, कर्मधारय समास कहलाता है।

आसानी से समझने के लिए कर्मधारय समास को दो प्रकारों में बांटा गया है।

इस प्रकार में पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद संज्ञा या सर्वनाम अर्थात विशेष्य होता है।

पहचान:- कर्मधारय समास के विग्रह में "जो" शब्द आता है।

समस्त पद	-	**विग्रह**
महाकवि	-	महान है जो कवि

(व्याख्या :- यहां महान विशेषण तथा कवि विशेष्य है)

महापुरुष	-	महान है जो पुरुष
महौषध	-	महान है जो औषध

हिन्दी भाषा की रचनाएँ एवं रचनाकार

क्र.सं.	कवि या लेखक	रचनाएँ
1.	सूरदास	सूरसागर, सूर सारावली, साहित्य लहरी, सूर पचीसी
2.	तुलसीदास	रामचरितमानस, कवितावली, गीतावली, विनय पत्रिका, दोहावली, जानकी मंगल, पार्वती मंगल, हनुमा बाहुक
3.	मलिक मुहम्मद जायसी	पद्मावत, कन्हावत, आखिरी सलाम
4.	मैथिली शरण गुप्त	साकेत, जयद्रथवध, भारत-भारती, यशोधरा
5.	हरिवंशराय बच्चन	निशा निमंत्रण, मधुशाला, मधुबाला
6.	रामधारी सिंह 'दिनकर'	उर्वशी, रश्मिरथी, हुँकार,कुरुक्षेत्र
7.	महादेवी वर्मा	यामा, नीहार, नीरजा,रश्मि
8.	सुमित्रानंदन पन्त	ग्राम्या, चिदम्बरा, गुंजन
9.	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	अलका, अनामिका, तुलसीदास, राग-विराग
10.	जयशंकर प्रसाद	कामायनी, आँसू, लहर, झरना
11.	सुभद्राकुमारी चौहान	त्रिधारा, मुकुल, झाँसी की रानी
12.	सोहनलाल द्विवेदी	मुक्तिगंधा, कुणाल, युगधारा, दूध बतासा
13.	माखनलाल चतुर्वेदी	बन्दी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा, हिमतरंगिणी
14.	दलपति विजय	खुमानरासो
15.	नरपति नाल्ह	बीसलदेव रासो
16.	जगनिक	परमालरासो
17.	सारंगधर	हम्मीर रासो
18.	चंदबरदाई	प्रथ्वीराज रासो
19.	तुलसीदास	रामचरितमानस, विनय पत्रिका , कवितावली , दोहावली , जानकी मंगल
20.	कबीरदास	रमैनी, सबद, साखी
21.	सूरदास	सूरसागर ,साहित्य लहरी ,सूर सारावली
22.	जायसी	पद्मावत ,अखरावट ,आखिरी कलाम
23.	बिहारी	बिहारी सतसई
24.	देव	अष्टयाम ,भाव विलास ,रस विलास
25.	पद्माकर	पद्मभारण ,हितोपदेश,राम रसायन ,जगत विनोद
26.	मतिराम	ललितललाम ,चंद्रसार ,रसराज ,साहित्यकार

Noun (संज्ञा)

'किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun (संज्ञा) कहा जाता है।

A noun is a word for a person ,place or thing or idea.

'हर वो वस्तु जिसका नाम हो जिसे हम देख सकते हो , महसूस कर सकते हो, छू सकते हो noun कहलाता है **जैसे** :-

किसी person(व्यक्ति) का नाम :- boy ,rita etc.
Animals name:- cat ,cackroach etc.
Places name :- street ,banglore etc.
Objects name :- table , wire etc.
Substances name:- gold ,glass etc.
Qualities name:- Happines, sorrow etc.
Measures name :- inch ,pound etc.

Noun को सात प्रकार से बाँटा जा सकता है –

1. Proper Noun (व्यक्तिवाचक)
2. Common Noun (जातिवाचक)
3. Collective Noun (समूहवाचक)
4. Material Noun (द्रव्यवाचक)
5. Abstract Noun (भाववाचक)
6. Countable noun(संख्यावाचक)
7. Non-countable noun (असंख्यावक)

- Proper Noun, common noun ,collective noun and material noun इन्हें Concrete noun भी कहते हैं ये abstract noun के opposite (विपरीत) होते है।
- concrete nouns ऐसी वस्तुओं के नाम होते हैं जिनका physical existence होता है।

RULES TO FIND A NOUN (NOUN की पहचान) :-

- By putting who, whom,what with work done(किसने काम किया) we find out noun. जैसे :- Sumit is playing football. (सुमित फुटबॉल खेल रहा हैं) अब आप खुद से सवाल करके noun पहचान सकते है इस वाक्य में **जैसे:-** who is playing? (कौन खेल रहा हैं) = सुमित (sumit) what is playing?(क्या खेल रहा है ?)=football यहाँ sumit and football दोनों noun है।
- जिन वाक्यों के अंत: में नीचे दिये गये word जुड़े होंगें वो noun होगें **जैसे** :-

Ment = mangement , agreement
tion = station , vacation , foundation
th = growth, er = teacher
or = doctor, ty = honesty
ry = bravery, ce = advice
ledge = knowledge, dom = fredom ,wisdom
ics = physics, ship = friendship
sion = pension

(1) PROPER NOUN

Proper noun से हमारा तात्पर्य किसी विशेष(specific) व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के नाम से होता है।

जैसे: Mohan, Jaipur, Radha etc.

(a) **Mohan** is my friend.
(b) I live in **Delhi**.
(c) we are planning to go to **Pizza Hut**.
(d) There are many important documents at **The Library of congress**.

उपर दिए गये Ex(a) में mohan एक boy का proper name दिया हुआ है Ex(b) में delhi एक proper city का name है Ex(c) pizza hut एक proper restaurant का name दिया है और Ex(d) में **The Library of congress** एक library का proper name है इसलिए mohan, delhi ,pizza hut, **The Library of congress** यहाँ proper noun है।

(2) COMMON NOUN

जिस Noun (संज्ञा) से एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु के नाम का बोध हो, उसे Common Noun(जातिवाचक संज्ञा) कहते हैं।

जैसे- boy, girl, Village ,city etc.

(a) According to the **Girl**, the nearest town is very far.
(b) The **Girls** are going to the nearest village.

दी गयी table से आप common noun और proper noun को और अच्छे से समझ सकते है -

Common Noun	Proper Noun
boy	Ram
girl	Rita
bridge	Mahatma Gandhi Bridge

city	Kanpur
book	war and peace
tower	Eifel tower
jeans	levis

(3) COLLECTIVE NOUN

collective noun एक ही प्रकार के लोगो ,जानवरों, वस्तुओ आदि के समूह (group) के नाम होते है । A collective noun is a word used for a group of people ,animals and things etc. examples :- Team, Committee, Army etc.

Other Example of Collective Noun :-

A **Pride** of Lions, A **Flock** of birds
A **herd** of cattle, A **class** of student

सामान्यत: Collective Noun का प्रयोग Singular में होता है। इनका प्रयोग Plural में तभी किया जाता है।

जब मतभेद दर्शाया जाए या फिर प्रत्येक सदस्य के बारे में कुछ कहा जाए।

(a) The **jury** is deciding the matter.
(b) The **flock** of geese spends most of its time in the pasture
(c) The **team** are divided over the issue of captainship.

यहाँ टीम एक लोगो के group का नाम है जो divide (अलग) हो गया है या group के प्रत्येक सदस्य की राय (opinion)अलग -अलग है इसलिए इस वाक्य में team' plural होगा ।

(d) The **audience** have taken their seats.

यहाँ audience में प्रत्येक सदस्य(individual) की बात हो रही है इसलिए यहाँ 'audience'plural है।

(4) MATERIAL NOUN

Material noun ऐसी वस्तुओं के नाम को कहते हैं जो metal और substance (प्रदार्थ) हो और उनसे दूसरी वस्तुयें बनाई जा सकती हो ।

जैसे: Gold, Silver, Zink, wood etc.

(a) The necklace is made of **gold.**
(b) He got his furniture made of teak **wood**.

Material Nouns, Countable नहीं होते हैं अर्थात् इनकी गिनती नहीं की जा सकती है। इन्हें मापा या तोला जा सकता है। इनके साथ सामान्यत: Singular verb का प्रयोग किया जाता है एवं इनके पहले Article का प्रयोग नहीं किया जाता है।

(5) ABSTRACT NOUN

Abstract Noun, ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था को व्यक्त करता है जिन्हें छूआ नहीं जा सकता है, देखा नहीं जा सकता है, बल्कि केवल महसूस किया जा सकता है।

जैसे: poverty, bravery, hatred, laughter, poverty, youth, Honesty.

Abstract Noun का प्रयोग सामान्यत: Singular में किया जाता है।

जैसे: (a) People respect their sincerity.
(b) Honesty is the best policy.

Noun को(A) Countable एवं (B) Uncountable में भी बाँटा जा सकता है।

(6) COUNTABLE NOUNS

Countable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना की जा सके। Countable noun singular और plural दोनों हो सकता है ।

जैसे- (a) We bought six tables.
(b) I have a few friends.
(c) She saw many movies last month.

(7) NON-COUNTABLE NOUNS

Uncountable Noun वह Noun होता है, जिसकी गणना न की जा सके।

जैसे: (a) J. Priestly discovered oxygen.
(b) They decided to sell the furniture.
(c) Much money was wasted on the show.

Countable Noun: Stars, Seconds, Rupees etc.

Uncountable Noun:-Money, time, knowledge etc.

IMPORTANT RULE:-

RULE I

कुछ Nouns का प्रयोग हमेशा Plural form में ही होता है। इन Nouns के अन्त में लगे s को हटाकर, इन्हें

Singular नहीं बनाया जा सकता है। ये दिखने में भी Plural लगते हैं, एवं इनका प्रयोग भी Plural की तरह होता है। ऐसे Nouns निम्नलिखित हैं:-

Annals,Ashes,Scissors, tongs, pliers, pincers, bellows, trousers, pants, pajamas, shorts, gallows, fangs, spectacles, goggles, binoculars, eyeglasses, Alms, amends, archives, Earnings, arrears, auspices, congratulations, embers, fireworks, lodgings, outskirts, particulars, proceeds, regards, riches, remains, savings, shambles, surroundings, tidings, troops, tactics, thanks, valuables, wages, belongings etc.

(a) His earning are small.

(b) Riches have wings.

(c) The proceeds were deposited in the bank.

(d) All his valuables were stolen away.

(e) Alms are given to the beggars.

(I) The proceeds were deposited in the courts.

RULE 2

कुछ Nouns दिखने में Plural लगते हैं लेकिन अर्थ में Singular होते हैं। इनका प्रयोग हमेशा Singular की तरहा होता है जैसे :-

branches of learning : physics, mathematics, economics, Politics etc.

Titles of Books : Three musketeers, Five Point someone etc.

Diseases:- mumps, Measles, Rickets etc.

Descritive names of countries:- The United States, United Arab Emirates etc. उपर दिये गये examples में सभी noun के साथ s/es लगा है लेकिन इसका मतलब ये नहीं है की ये plural form में है ये सभी singular हैं क्योंकि ये सभी single body को दिखाते है ।

Some other example :

News, Innings, Summons, Economics, Ethics, Mumps, Measles, Rickets, Shingles, Billiards, Athletics etc.

Some confusing Singular and Plural form of nouns:-

कुछ nouns ऐसे होते है जिनके अंत में s या es जोड़ देने से उनका मतलब (meaning) पूरी तरह से change हो जाता है जैसे :-Water

Singular Noun	s/es Form
Water(पानी)	Waters(sea)
Wood (लकड़ी)	woods (जंगल)
cloth (कपडे)	clothes (ड्रेस)
air (हवा)	Airs (दिखावटी)
fruit (फल)	Fruits (परिणाम)
custom (आदत)	customs (Tax)
Sand (बालू)	Sands (रेगिस्तान)
Abuse(दुरपयोग)	Abuses (कुरीतियाँ)
Advice(सलाह)	Advices (सूचनाएँ)
Compass(सीमा)	compass (एक यंत्र)
Number(संख्या)	numbers (मात्राएँ)
Physic(दवा)	physics (भौतिकी)
Quarter(चोथाई भाग)	Quarters (छोटे मकान)
Return (वापस)	Returns (हिसाब, आय)
Force (शक्ति)	Forces (सेना)
Pain (तकलीफ)	Pains (प्रयत्न)
Manner (तरीका)	Manners (व्यवहार)
Alphabet (वर्णमाला)	Alphabets (भाषाएँ)
Premise (प्रस्तावना)	Premises (भवन)
Iron (लोहा)	Irons (जंजीरे)
Effect (प्रभाव)	Effects
Good (अच्छा)	Goods (सामान)
Ground (जमीन)	Grounds (कारण)

(a) No news is good news.

(b) Politics is a dirty game.

(c) Economics is a good subject.

(d) Mathematics is a difficult subject.

RULE 3

कुछ Nouns दिखने में Singular लगते हैं, लेकिन इनका प्रयोग हमेशा Plural में होता है। **जैसे:** clergy, cattle, cavalry, infantry, poultry, peasantry, children, gentry, police, people, etc.

साथ कभी भी 's' नहीं लगाया जाता है।

जैसे: peoples,cattles, लिखना गलत है।

(a) Cattle were grazing in the field.

(b) Our infantry have marched forward.

(c) Police have arrested the thieves.

Note:-'People' का अर्थ है 'लोग'। ओर 'Peoples' का अर्थ है 'विभिन्न मूलवंश के लोग'।

(4) Neuter Gender (नपुंसक लिंग):- ऐसे Noun जो उन निर्जीव वस्तुओं को व्यक्त करते हैं जो न male हैं और न female Neuter Gender कहलाते है Copy, Book, Room, Paper, T.V., Box, etc.

Changing masculine noun to feminine noun

RULE 1

कुछ cases में Masculine noun के बाद 'ess' लगाने से feminine noun बनाया जा सकता है। जैसे:

Masculine	**feminine**
Author (लेखक)	Authoress
Host (मेजबान)	Hostess
Jew	Jewess
Mayor	Mayoress
Poet (कवि)	Poetess
Tutor	Tutoress
Heir	Heiress

RULE 2-

कुछ cases में Masculine Noun के अन्तिम vowel एवं उसके पहले आने वाले consonant को हटाकर 'ess' जोड़ने से भी Feminine noun बन जाता है। जैसे:-

Masculine	**feminine**
Actor	Actress
Benefactor	Benefactoress
Hunter	Hunteress
Prince	Princess
Waiter	Waitere
Tiger	Tigeress

RULE 3

कुछ cases में Masculine Noun के शब्दों में कुछ change किया जाता है एवं अन्त में 'ess' लगाने पर Feminine Noun बन जाता है।

Masculine	**Feminine**
Emperor	Empress
God	Goddess
Duke	Duchess
Master	Mistress

RULE 4

कुछ cases में Compound Masculine Noun के first अथवा second शब्द में कुछ परिवर्तन किये जाता है। जैसे:-

Masculine	**Feminine**
Man-servant	Maid servant
Washerman	Washerwoman
Buck-rabbit	Doe-Rabbit
Brother-in-law	Sister-in-law
Bull-calf	Cow-calf
Milkman	Milkmaid
Peacock	Peahen
Landlord	Landlady

Noun number (singular – plural):-

Number: If a Noun tells about one or more than one is called Number **Kind of Number** (अगर noun हमे ये बताता है की वो एक है या एक से अधिक है तो उसे number कहा जाता है। ये दो प्रकार के होते हैं -

(a) Singular Number: If a Noun tells about only one ,is called Singular Number. (अगर noun केवल एक के बारे में बता रहा हैं तो वह एकबचन संख्या (singular number) कहलाता है जैसे – boy, girl, pen etc.

(b) Plural Number: If a noun tells about more than one it is called Plural Number. (अगर noun एक से अधिक होने की जानकारी दे रहा हो तो वह वहुबचन संख्या (plural number) कहलाते हैं जैसे – boys, girls, pens etc.

RULES TO CHANGE SINGULAR TO PLURAL

Singular से Plural बनाने के नियम :-

- Nouns जिनका plural बनाने के लिए inside vowels में परिवर्तन (change) करते हैं। **जैसे** :-

Singular	Plural
Woman	women
Man	men
Foot	feet
Tooth	teeth
Mouse	mice
Louse	lice
Goose	geese
Dormouse	dormice

- Nouns जिनका plural बनाने के लिए en या ne जोड़ते हैं। **जैसे** :-

Singular	Plural
child	children
ox	oxen
cow	Kine(cows)
brother	brethren

- Generally किसी Noun के अंत में 's' जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular	Plural
Fan	Fans
Flats	Flats
Chair.	Chairs

Rule (2) यदि किसी Singular Common Noun का last letter (s,ss,sh,ch,x,z) हो, तो "'es'" जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular	Plural
Class	Classes
Bench	Benches
Tax	Taxes

Rule (3) यदि किसी Singular Common Noun का last letter" y" हो और y के पहले consonant हो तो "y"को हटाकर"ies" जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular	Plural
Lady	Ladies
City	Cities
Fly	Flies
Salary	Salaries

Rule (4) यदि किसी Singular Common Noun का last letter" y" हो और y के पहले Vowel हो, तो सिर्फ "s" जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular	Plural
Play	Plays
Monkey	Monkeys
Key	Keys
Chimney	Chimneys

Rule(5) यदि किसी Singular Common Noun का last letter"ch"हो तथा "ch" का उच्चारण "क" हो, तो सिर्फ "s" जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular	Plural
Stomach	Stomachs

Rule(6) यदि किसी Singular Common Noun का last letter"O"हो और "O" के पहले Consonant हो, तो "es" जोड़कर Plural बनाया जाता हैं।

Singular	Plural
Buffalo	Buffaloes
Mango	Mangoes
Manifesto	Manifestoes
Motto (कहावत)	Mottoes

EXCEPTIONS (अपवाद) :-

Singular	Plural
Canto	cantos
dynamo	dynamos
Memento	Mememtos
piano	pions

CHAPTER – 2

TIME AND TENSE

Time (समय) और Tense (काल) दोनों ऐसे शब्द हैं जिनमें संबंध होते हुए भी अंतर है।

Time का प्रयोग सामान्य अर्थ में होता है, जबकि Tense का प्रयोग विशेष अर्थ में Verb के form का निरूपण करने के लिए किया जाता है।

Tense : कार्य के समय के मुताबिक Verb के रूप में जो परिवर्तन होता है, उसे Tense कहते हैं।

Kinds of Tense

1. Present Tense (वर्तमान काल)
2. Past Tense (भूतकाल)
3. Future Tense (भविष्य काल)

1. Present Tense : किसी कार्य के वर्तमान समय में होने या करने, हो रहा है, हो चुका है, या हो गया है तथा एक लंबे समय से होता रहा है, का बोध हो तो उसे Present Tense कहते हैं।

दूसरे शब्दों में - An action which is done at the present time. जैसे -

1. I read a book
2. I am reading a book
3. I have read a book
4. I have been reading a book for an hour

2. Past Tense : किसी कार्य के बीते हुए समय में होने या करने, हो रहा था, हो चुका था, या हो गया था तथा एक लंबे समय से होता रहा था का बोध हो, तो उसे Past Tense कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- An action which is done at the Past time. जैसे -

1. I wrote a letter.
2. I was writing a letter.
3. I had written a letter.
4. I had been writing a letter for two days.

3. Future Tense : किसी कार्य के आने वाले समय में होने या करने, हो रहा होगा क्या होता रहे गा, हो चुका होगा या हो गया होगा तथा एक निश्चित समय से होता आ रहा होगा का बोध हो, उसे Future Tense कहते हैं। जैसे –

1. I shall write a letter.
2. I shall be writing later.
3. I shall have written a letter.
4. I shall have been writing a letter.

मैं पत्र लिखता आ रहा होऊंगा।

उपयुक्त उदहारण से यह स्पष्ट होता है कि Present, Past तथा Future Tense के भी चार - चार उपभेद होते हैं।

1. Present Tense

Present Tense के चार उपभेद होते हैं।

1. Present Indefinite Tense /Simple Present Tense (सामान्य वर्तमान काल)
2. Present Continuous / Progressive Tense (अपूर्ण वर्तमान काल / तात्कालिक वर्तमान काल)
3. Present Perfect Tense(पूर्ण वर्तमान काल)
4. Present perfect continuous tense (पूर्णापूर्ण वर्तमान काल / पूर्ण तात्कालिक वर्तमान काल)

1. Simple Present Tense

Structure :

Positive:-

Subject +main verb +s/es+Object

Ex-Ram reads books.

Negative:-

Subject+do/does+not+main verb+Object

Ex- Ram does not read books.

Interrogative:-

1st type:-

Do/does+subj+not+main verb+Object+?

2nd type :-WH words + 1st type

Ex- Does ram read books?

यदि subject एकवचन(He ,She ,It ,name) होगा तो main verb में s या es लगायेंगे और अगर subject बहुवचन(you ,we,they) होगा तो main verb में s या es नहीं लगायेंगे ।

जैसे :- Ram **reads** books.

They **read** books.

Rule (1): Simple Present Tense का प्रयोग habitual, or regular or repeated action (नियमित या स्वाभाविक कार्य) कों express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे -

Mukesh goes to bed at 10 P.M.

He always comes here on Sunday.

She reads a newspaper every morning.

He takes tea without sugar.

We work eight hours a day.

Note : सामान्यत: Time expressing Adverbs (समय सूचक क्रिया विशेषण) जैसे -

always, often, sometimes, generally, usually, occasionally, rarely, seldom, never, hardly, scarcely, habitually, daily, everyday, every night, every morning, every evening, every week, every month, every year, once a week, once a day, once a month, twise a day, twice a week, twice a month आदि का प्रयोग habitual, or regular or repeated action को express करने के लिए किया जाता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि उपरोक्त Adverbs का प्रयोग होने पर Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे-

He always comes here at night.

He generally comes here at night.

He usually comes here at night.

He sometimes comes here at night.

He often comes here at night.

Rule (2) : इस Tense का प्रयोग Universal truth (नैसर्गिक सत्य), principal (सिद्धांत) permanent activities (स्थायी कार्य व्यापार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

The sun rises in the east.

Two and two makes four.

Man is mortal.

Water boils at 100°C.

The Earth moves / revolves round the Sun.

Rule (3) : इस Tense का प्रयोग possession (अधिकार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

This pen belongs to me.

I have a car.

He owns a big building.

Rule (4) : इस Tense का प्रयोग mental activity (मानसिक क्रिया कलाप), emotions तथा feelings को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे

Note : notice, recognise, see, hear, smell, appear, want, wish, desire, feel, like, love,hate, hope, refuse, prefer, think, suppose, believe, agree, consider, trust, remember, forget, know, understand, imagine, means, mind etc. का प्रयोग mental activity express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। अत : इन सारे Verbs का प्रयोग Simple Present Tense में होता है ।

Rule (5) : Simple Present Tense का प्रयोग आने वाले समय में होने वाले सुनियोजित कार्यक्रम (fixed programme) तथा सुनियोजित योजना (fixed plan) को (express) (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। इससे future time का बोध होता है। जैसे -

The college reopens in October.

He goes to Chennai next month.

She leaves for New York next Monday.

The prime minister comes here tomorrow.

My brother returns tomorrow.

Note : इस तरह के वाक्यों में future time expressing Adverbs.

जैसे- Tomorrow, next day, next night, next month, next year, next week, In January, In February, In march .... on Monday, on Tuesday. ....etc. का प्रयोग निश्चित रूप से रहता है।

Rule (6) : Here or There से स्टार्ट होने वाले exclamatory sentence मे Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे -

Here comes they !

There goes the bus!

Rule (7) : आंखों देखा हाल का प्रसारण (मैच, आयोजन, कार्यक्रम, नाटक, फिल्म, सीरियल आदि) रेडियो या टेलीविजन के द्वारा करने के लिए Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे –

Ganguly runs after the ball, catches it and throws it on the stumps.

In the film, my elder brother plays the role of Dashrath.

Rule (8) : Author (लेखक) के statement (कथन) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे -

Shakespeare says, " The course of true love never runs smooth".

Keats says, " A thing of beauty is a joy for ever".

Rule (10) : History (इतिहास) के past events (बीते हुए घटनाओं) को जीवंत या ताजा बना कर दिखाने के लिए Present Continuous Tense का प्रयोग होता है जैसे-

Babar crosses the plains, Ibrahim opposes him with a large army.

At last, Ram kills Ravan.

2. Present Continuous Tense:-

Structure :-

Positive:-

Subject+is/are/am+M.Ving +Object

Ex- Ram is going to market.

Negative:-
Subject+is/are/am+not+M.Ving+Object

Ex- Ram is not going to market.

Interrogative:-

1st type:-
Is/are/am+Subj+not+M.Ving+Object+?

2nd type :-WH words + 1st type

Ex-Is ram going to market?

Ex-Where is ram going?

Use of Present Continuous Tense:-

Rule (1) : Present Continuous Tense का प्रयोग ऐसे (Actions) कार्यों के लिए होता है, जो बोलने के वक्त जारी हो (continued) हो।

An action going on at the time of speaking. **जैसे** -

1) Mukesh is coming now.
2) They are playing.
3) The girls are playing the kho - kho.
4) Vinay is playing cricket.

Note : now, at present, at the moment, this morning, currently, this evening. आदि समय सूचक शब्दों का प्रयोग Present Continuous Tense में होता है जैसे -

1) Mr. Jha is teaching mathematics at present.
2) He is reading a novel now.
3) She is knitting a sweater at the moment.
4) They are washing the plates this morning.

Rule (2) : इसका Tense प्रयोग वैसे अस्थायी कार्य (temporary action) के लिए होता है, जो बोलने के वक्त नहीं हो रहा है लेकिन उपयुक्त समय के आस-पास या इन दिनों वह कार्य जारी है। जैसे -

1) I am living in a rented house.
2) He is reading the Mahabharata.
3) She is studying physics these days.

ऊपर दिए गए वाक्यों में क्रिया का संपादन बोलने के वक्त नहीं हो रहा है, बल्कि उपयुक्त समय के आस-पास या आजकल हो रहा है।

Rule (3) : इस Tense का प्रयोग nearest future (निकट भविष्य) के fixed programme or plan (निश्चित कार्यक्रम या योजना) के लिए होता है जैसे-

1) He is going to Chennai tonight.
2) She is going home tomorrow.
3) I am leaving for Patna next month.

Note : इस तरह के वाक्यों में Future time का बोध होता है, तथा Adverb of time- tonight, tomorrow, next day, next night, next month next week, next morning, this morning, this evening, 5 o'clock, 5 a.m., 6 p.m. etc. का प्रयोग निश्चित रूप से रहता है।

Future tense

Future Indefinit Tense:-

Adverbials - Tomorrow, Next + day / night / week / month / year / any time, in future Etc.

Helping verb - इस Tense मेंI तथा We के साथ Shall तथा अन्य कर्ताओं के साथ Will का प्रयोग करते हैं।

Main verb - इस tense में M.V. की Ist Form का प्रयोग करते हैं।

Simple Sentence:-

Formula - Subject + Shall / Will + M. V Ist + Object + Etc.

Ex -We Shall go to the temple of Vaishno Devi.

You will be the representative of this class.

He will wait for me.

Negative Sentence:-

Formula - Subject + Shall / Will + Not M.V Ist + Object + Etc.

Ex -They will not play with the team.

you will not live in this house.

I shall not talk to you.

Interrogative Sentence:-

(A)Will /Shall + Subject + M.V Ist + Object + Etc. ?

(B) Wh Word + Will / Shall + Subject + M.V Ist + Object Etc. ?

Ex -Where will he eat food ?

Will you help me ?

Why will you eat a little food ?

Interrogative Negative Sentence:-

(A)Will / shall + Subject + Not + M.V Ist + Object + Etc.?

(B) Wh Word + Will / Shall + Subject + Not + M.V Ist + Object + Etc.?

Ex -Why will some students not come to school tomorrow ?

Why will they not call you ?

Will the girls not participate in Mehndi competition ?

2. Future Continuous Tense:-

Adverbials - Tomorrow at this + any time

Helping verb - इस Tense में I तथा We के साथ Shall Be तथा अन्य कर्ताओं के साथ Will Be का प्रयोग करते हैं।

Main verb - इस Tense में M.V की Ist Form + ing का प्रयोग करते हैं।

Simple Sentence:-

Formula - Subject + Shall / Will + Be + M.V Ist + ing + Object + Etc.

Ex -We shall be worshiping .

The lion will be roaring in the forest.

Mohan will be going to school.

Negative Sentence:-

Formula - Subject + Shall / Will + Not + Be + M.V Ist + ing + Object + Etc.

Ex -The dog will not be barking.

He will not be going to Agra.

Ramesh will not be reading.

Interrogative Sentence:-

(A)Will / Shall + Subject + Be + M.V Ist + ing + Object + Etc.?

(B) Wh word + Will / Shall + Subject + Be + M.V Ist + ing + Object + Etc.?

Ex -Will he be playing cricket?

Why will she be playing?

Where will he be going?

Interrogative Negative Sentence:-

(A)Will / Shall + Subject + Not + Be + M.V Ist + ing + Object + Etc ?

(B) Wh Word + Will / Shall + Subject + Not + Be + M.V Ist + ing + Object + Etc.?

Ex –Will Pavan not be going to school?

Why will the fan not be moving slowly?

Why will they not be eating food?

3. Future Perfect Tense:-

Adverbials - By + any time

Helping verb - इस Tense में I तथा We के साथ Shall Have तथा अन्य कर्ताओं के साथ Will Have का प्रयोग करते हैं।

Main verb - इस Tense में M.V की 3rd Form का प्रयोग करते हैं।

Simple Sentence:-

Formula - Subject + Shall / Will + Have + M.V 3rd + Object + Etc.

Ex –The sun will have set before evening.

We shall have reached Agra by 10 o' clock.

We shall have taken lunch before you come.

Negative Sentence:-

Formula - Subject + Shall / Will + Not + Have + M.V 3rd + Object + Etc.

Ex –The thief will not have run away before the police comes.

Rahul will not have reached the college by 10 o' clock.

They will not have reached to jaipur.

Interrogative Sentence:-

(A)Will /Shall + Subject + Have + M.V 3rd + Object + Etc.?

(B) Wh Word + Will / Shall + Subject + Have + M.V 3rd + Object + Etc.?

Ex –Will he have copied in exam ?

Shall we have reached Delhi by 5 o' clock ?

Why will Shyam have cooked food in kitchen ?

Interrogative Negative Sentence:-

(A)Will / Shall + Subject + Not + Have + M.V 3rd + Object + Etc.?

(B) Wh Word + Will / Shall + Subject + Not + Have + M.V 3rd + Object Etc.?

Ex –Why will Ram not have accused of Mohan?

Why will Rihan not have eaten food?

How shall we not have reached to hospital by 10 o' clock?

4. Future Perfect Continuous Tense:-

Adverbials - Since / For + time + future fact

Helping verb - इस Tense में **I** तथा **We** के साथ Shall Have Been तथा अन्य कर्ताओं के साथ Will Have Been का प्रयोग करते हैं।

Main verb - इस Tense में M.V की Ist Form + ing का प्रयोग करते हैं।

Simple Sentence:-

Formula - Subject + Shall / Will + Have + Been + M.V Ist + ing + Object + Since / For + time + Etc.

Ex –The stars will have been shining in the sky since 6 o' clock.

Radha will have been singing a sweet song since 10 o' clock.

Shyam will have been listening music for two hours.

Negative Sentence:-

Formula - Subject + Shall /Will + Not + Have Been + M.V Ist + ing + Object + Since / For + Time + Etc.

Ex –He will not have been working in the factory for six months.

The Baby will not have been weeping in the room since morning.

He will not have been running his business since April.

Interrogative Sentence:-

(A)Will /Shall + Subject + Have Been + M.V Ist + ing + Object + Since / For + Time + Etc.?

Solution:1
Immense – supremely good, huge

27) The company management is of the opinion that not wearing a suit and tie at the workplace could create a bad _____ on clients.
1.response
2.notion
3.outlook
4.impression
Solution:4

28) India is the second largest _____ of cotton in the world.
1.creator
2.producer
3.grower
4.manufacturer
Solution:2

29) Talgo, a Spanish company is one of the major ____ of intercity, standard, and high speed passenger trains.
1.manufacturers
2.creators
3.builders
4.constructors
Solution:1
'Manufacturers ' is preferable option among the given options.

30) In the wake of the recent cross-border tension, forces have been _____ at strategic locations for immediate action, if required.
1.departed 2.deployed
3.deposited 4.deported
Solution:2
Deploy – to unfold, open or otherwise become ready for use ,hence it makes the sentence contextually correct.

Chapter – 13
Reading Comprehension

कॉम्प्रिहेंशन (Comprehension) क्या हैं ?
कॉम्प्रिहेंशन का अर्थ होता हैं – समझने में सक्षम या योग्यता / कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्रो को PASSAGE समझाने में मदद करना हैं और VOCABULARY एवं PASSAGE को समझकर प्रश्न के सटीक उत्तर देने की सक्षमता को जाँच करना हैं /

PASSAGE के शब्दों के आधार पर हम कॉम्प्रिहेंशन को दो भागो में विभाजित कर सकते हैं

i. SHORT PASSAGE
ii. LENGTHY PASSAGE

SHORT PASSAGE में लगभग 200 से 400 शब्दों होते हैं जबकि कि LENGTHY PASSAGE में शब्दों की संख्या 2000 तक होते हैं /
एग्जाम में कॉम्प्रिहें शन से संबंधित DESCRIPTIVE एवं OBJECTIVE दोनों तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं / कुछ एग्जाम में पूछे गये DESCRIPTIVE प्रश्नों का उत्तर इसमें से ही ध्यान से पढकर देना होता हैं और OBJECTIVE प्रश्नों में, प्रश्न में दिए गये चार – पांच उत्तरों में से सही को चुनना होता हैं एवं VOCABULARY से संबंधित प्रश्न जैसे : SYNONYM और ANTONYM भी आते हैं / कही बार कॉम्प्रिहेंशन में प्रयुक्त IDIOMS, VERBAL PHRASES का भी अर्थ पूछा जाता हैं / कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्र की अंग्रेजी भाषा को ना केवल पढने/समझने के साथ में IDIOMS, VERBAL PHRASES इत्याति की जाच करता हैं/
पहले PASSAGE के प्रश्न को ध्यान एवं तेजी से पढ़े फिर PASSAGE को ऐसे ही पढ़े / जैसे ही कोई उत्तर दिखाई दे, उसे ध्यान से पढ़कर उत्तर देना चाहिए/ इसका उपयोग कम समय में अधिक उत्तर देने के लिए करे / इस तरह अच्छे अंक के लिए छात्र को ANALYTICAL POWER की ज़रूत होती हैं /
यदि छात्र के पास उपयुक्त समय हैं तो वो PASSAGE और प्रश्न को ध्यान से पढ़े फिर एक बार PASSAGE को पढ़ते हुए, जहाँ भी प्रश्न के उत्तर दिखाई दे वहा पर NUMBERING कर लेनी चाहिए /

PASSAGE को ध्यान से पढने से आपको उसकी THEME, IDEA का ज्ञान हो जाएगा / अगर फिर भी समझ में ना आये तो पुनः उसे पढ़े फिर उत्तर दे/ जहाँ तक संभव हो उत्तर को सटीक लिखने की कोशिश करे/ अगर उत्तर देने के लिए कोई शब्द सीमा हैं तो उसका ध्यान ज़रूर रखे / प्रश्न का उत्तर कभी भी BECAUSE या THEREFOR से शुरू नही करना चाहिए/ उत्तर का विशेष ध्यान रखे की वो PASSAGE से ही संबंधित हो / उत्तर लिखेते समय GRAMMATICALY एवं WORD भी सही होना चाहिए/

कई बार किसी WORD को EXPLAIN करने के लिए कहा जाता हैं इनके उत्तर लिखने के लिए आपका EXPLAIN भी अच्छी होनी चाहिए और उत्तर को जितना हो सके उसे साधारण रखने की कोशिश करे/

I. Read the following passage carefully.

Man does not Live by food alone. Water is vital to human health and fitness. Although it is not a nutrient per se as are carbohydrates, fats, proteins, vitamins and minerals. It, in fact, is a key nutrient as no life is possible without it. Whereas we can do for weeks without food, we cannot live without water longer than a couple of days. Water approximates 60 per cent of the body weight of human adults. The total amount of water in a man weighing 70 kilograms is approximately a little over 40 litres. It is an excellent solvent—more substances are soluble in water than in any other liquid known so far. This makes it an ideal constituent of the body fluids which sustain life supporting chemical reactions. It dissolves varied products of digestion and transports them to the rest of the body. Likewise, it dissolves diverse metabolic wastes and helps drain them out of the body. Besides, it performs a variety of functions—some well known and well understood while others not so well appreciated yet vita l. The no less important role of water is to distribute/dissipate the body heat efficiently, thereby regulating body's temperature. Water accomplishes this role ideally because it has high thermal conductivity ensuring rapid heat transfer from one part to the other.

Above all, water has a high-specific heat, implying that it takes a lot of heat to raise the temperature of water and likewise much heat must be lost to lower its temperature. Drinking a lot of water is an inexpensive way to stay healthy. Even excess of water is harmless. Water therapy- drinking a litre or so the first thing in the morning is kidney-friendly.

The water regulation in the body is affected by hypothalamus in two ways i.e.,
(i) by creating the sensation of thirst which makes us drink water and
(ii) by controlling the excretion of water as urine. If water regulation fails, medical emergency ensues.

Question. Which word conveys the opposite of 'similar'?
(i) Dissipate
(ii) Ideal
(iii) Accomplished
(iv) Diverse
Ans : (iv) Diverse

Question. Water regulates body temperature efficiently as:
(i) it circulates easily
(ii) it has high-specific heat
(iii) it dissolves food easily
(iv) it has high thermal conductivity
Ans : (iv) it has high thermal conductivity

Question. Water is vital to human health and fitness because:
(i) man does not live by food alone
(ii) it is an excellent solvent

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=1253s

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (Ist Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp - https://wa.link/iny7y2

Online order - https://bit.ly/bihar-police-notes

Call करें - 9887809083